भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1142

जिसका उत्तर 05.02.2026 को दिया जाना

बेंगलुरु और चेन्नई को जोड़ने वाला ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे

1142. श्री जी. सेल्वम:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बेंगलुरु और चेन्नई को जोड़ने वाले चार लेन वाले अभिगम-नियंत्रित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के अधिकांश खंड लगभग पूरे हो चुके हैं, जबकि तमिलनाडु में अरक्कोनम-कांचीपुरम खंड में काफी विलंब हुआ है, जहां 25.5 किमी में से केवल 11 किमी मार्ग ही पूरा हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस खंड में विलंब समग्र एक्सप्रेसवे के शुरू होने की समय-सीमा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है और यह कांचीपुरम जिले में यातायात जाम और आर्थिक व्यवधान उत्पन्न कर रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) अरक्कोनम-कांचीपुरम खंड में धीमी प्रगति के कारण क्या हैं, और रेल ओवरब्रिज, भूमि अधिग्रहण या अंतर-अभिकरण स्वीकृति से संबंधित मुद्दे क्या हैं; और

(घ) सरकार द्वारा शेष कार्यों को पूरा करने और एक्सप्रेसवे को शीघ्रातिशीघ्र पूरी तरह से शुरू करने के लिए प्रस्तावित समयबद्ध कार्य योजना क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) अरक्कोनम - कांचीपुरम खंड (25.5 किमी) के संबंध में, से रियायतग्राही की वित्तीय बाधाओं के कारण मई 2025 से कार्य बंद हो गया है। न्यायालय के निर्देशानुसार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा दिनांक 10.11.2025 को रियायतग्राही को दिए गए आदेश और एनएचएआई के दिनांक 08.01.2026 के सकारण आदेश को समाप्त करने के इरादे से, वरिष्ठ ऋणदाताओं ने दिनांक 20.01.2026 के पत्र के माध्यम से रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के अपने अधिकार का प्रयोग करने का प्रस्ताव दिया है।

(ख) ग्रीनफील्ड कॉरिडोर परियोजना होने की वजह से, एक्सप्रेसवे को अराक्कोनम - कांचीपुरम खंड सहित सभी पैकेजों के पूरा होने के पश्चात ही चालू किया जा सकता है।

(ग) अरक्कोनम - कांचीपुरम खंड की धीमी प्रगति का मुख्य कारण रियायतग्राही द्वारा सामना की जाने वाली वित्तीय बाधाएं हैं। आज की तारीख तक, कोई अन्य मुद्दा परियोजना को प्रभावित नहीं कर रहा है।

(घ) वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा रियायतग्राही के प्रतिस्थापन के पश्चात, शेष कार्य को शुरू किया जाएगा और पूरा किया जाएगा।

*****